

Die "Einander-Gebote"

I) Das Hauptgebot: Liebe

Joh. 13, 34/ 15, 12. 17/ Röm. 12, 10a/ 13, 8/ 1. Thess. 3, 12/ 1. Pet. 1, 22/ 4, 8/ 1. Joh. 3, 11/ 4, 7. 11/ 2. Joh. 5

II) Das Ziel: geistliches Wachstum

Eph. 5, 19/ 1. Thess. 5, 11

III) Die einzelnen Gebote

A) Umgangsformen

- | | |
|---------------------|--|
| 1) Grüßen | Röm. 16, 16/ 1. Kor. 16, 20/ 2. Kor. 13, 12/ 1. Pet. 5, 14 |
| 2) Freundlichkeit | Eph. 4, 32 |
| 3) Gastfreundschaft | 1. Pet. 4, 9 |

B) Die Einstellung zueinander

- | | |
|--------------------|---|
| 1) Einmütigkeit | Röm. 12, 16/ 15, 5 |
| 2) Friedfertigkeit | Mk. 9, 50/ 1. Thess. 5, 13 |
| 3) Demut | Joh. 13, 14/ Gal. 5, 26/ Phil. 2, 3/ 1. Pet. 5, 5 |
| 4) Ehrerbietung | Röm. 12, 10b |
| 5) Rücksicht | 1. Kor. 11, 33 |
| 6) Annahme | Röm. 15, 7/ Eph. 4, 2/ Kol. 3, 13/ Jak. 5, 9 |
| 7) Barmherzigkeit | Eph. 4, 32 |
| 8) Unterordnung | Eph. 5, 21 |

C) Praktische Konsequenzen

- | | |
|------------------------|---|
| 1) Dienen | Gal. 5, 13/ 1. Pet. 4, 10 |
| 2) Ermutigen | 1. Thess. 4, 18/ Hebr. 10, 24 ¹ |
| 3) Ermahnen | Röm. 15, 14/ 1. Thess. 5, 11/ Hebr. 3, 13/ Kol. 3, 16 |
| 4) Lasten tragen | Gal. 6, 2 |
| 5) Nicht negativ reden | Jak. 4, 11 |
| 6) Die Wahrheit sagen | Eph. 4, 25/ Kol. 3, 9 |
| 7) Nicht richten | Röm. 14, 13 |
| 8) Vergeben | Eph. 4, 32/ Kol. 3, 13/ 1. Thess. 5, 15 |
| 9) Sünden bekennen | Jak. 5, 16 |
| 10) Beten | Jak. 5, 16 |
| 11) Nicht prozessieren | 1. Kor. 6, 7 |

DETLEV FLEISCHHAMMEL

¹ Das griechische Wort für "ermahnen" (parakaleo) kann sowohl "ermahnen" als auch "ermutigen" bedeuten - je nach Zusammenhang